हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 22 जून 2026

11 धूप उमस ने बढ़ाई बेचैनी, 80 लाख यूनिट बिजली की डिमांड

12 योगाभ्यास स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ जीवन का आधार : अमित गर्ग

### जिला स्तरीय कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों व शहरवासियों ने लिया भाग

### अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ सिरसा, शहीद भगत सिंह स्टेडियम में हजारों लोगों ने किया योगाभ्यास

# मानवता को जोड़ने का कार्य कर रहा योग: मिड्ढा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरा सिरसा जिला योगमय नजर आया। इसी कड़ी में रविवार करे हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के तत्वावधान में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय शहीद भगत सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ जिसमें हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का सिरसा में लाइव प्रसारण किया गया। 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम के साथ जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों व शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खंड स्तर पर भी योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा' के संदेश के साथ कार्यक्रम में योग जागरूकता व नशामुक्ति की शपथ दिलवाई गई।

### ऋषि-मुनियों ने योग से स्वस्थ शरीर का मार्ग दिखाया

मुख्यातिथि डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ, संतुलित और सशक्त बनाने का मार्ग दिखाया था। आज योग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में अपनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। यह केवल भारत की उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं का वैश्विक सम्मान है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के लगभग सभी देशों में करोड़ों लोग योग कर रहे हैं। यह भारत की उस आध्यात्मिक शक्ति का प्रमाण है, जिसने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से ऊपर उठकर पूरी मानवता को जोडने का कार्य किया है। डॉ. मिड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में योग भी एक महत्वपूर्ण साधन है, क्योंकि यह व्यक्ति के शरीर के साथ-साथ उसकी मानसिक क्षमता और कार्यक्षमता को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे डिजिटल दुनिया और मोबाइल के बढ़ते प्रभाव के बीच प्रतिदिन कम से कम 20 से 30 मिनट योग के लिए अवश्य निकालें। इस दौरान उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण, नगराधीश अजय सिंह, जेल अधीक्षक जसवंत सिंह, डीएसपी सुखवीर सिंह, जिला शिक्षाधिकारी सुभाष फुटेला, जिला आयुष अधिकारी आशु शर्मा, डीएसडब्ल्यूओ सत्यवान ढिलौड, नगरपरिषद सिरसा के चेयरमैन शांति स्वरूप, विरेंद्र तिन्ना, अंबर कुमार, हनुमान कुंडु आदि मौजूद रहे।

सिरसा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्टेडियम में योग कार्यक्रम में भाग लेते डिप्टी स्पीकर तथा उपस्थित लोगों को संबोधित

### प्रत्येक व्यक्ति योग को दिनचर्या में करे शामिल : भाटिया

फतेहाबाद। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एमएम कॉलेज परिसर में 12वां जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह मनाया गया। प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने की। समारोह में जिले के विभिन्न विभागों, शिक्षण संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सांसद संजय भाटिया ने कहा कि योग हमारी जीवनशैली को निर्धारित करता है। योग केवल आसन या व्यायाम नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन पद्धति है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। सांसद ने कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना चाहिए। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, मन शांत रहता है तथा कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से योग को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास हुआ, जिसमें योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम किए। कार्यक्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिरड़ाना तथा बोदीवाली स्कूल के विद्यार्थियों ने आदि योगी गीत पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

## खबर संक्षेप

### पंजाब का मुख्य हेरोइन सप्लायर लव गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** नशा तस्करों व सप्लायरों की धरपकड़ करते हुए रतिया पुलिस ने पंजाब के जिला फिरोजपुर के अंतर्गत आते मखु निवासी लीवजोत सिंह उर्फ लव को गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि इस नेटवर्क को ध्वस्त करने की शुरुआत कुछ समय पहले हुई थी। पुलिस टीम ने सबसे पहले रामनगर कॉलोनी, रतिया में नाकाबंदी और चेकिंग के दौरान लाम्बा गांव के मूल निवासी व वर्तमान में रुढ़ी वाली ढाणी, अहरवां में रह रहे गुरसेवक सिंह को काबू किया था।

### चोरीशुदा बाइक सहित दो युवकों को किया काबू

**फतेहाबाद।** मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान रोबिन पुत्र बलजीत सिंह तथा जसपाल उर्फ संदीप पुत्र गुरमीत सिंह निवासी ललौदा को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद की है। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक वीर सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता उदय पाल सूचना दी थी कि 13 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे वह पिरथला रेलवे स्टेशन के पास मौजूद था, तभी उसकी मोटरसाइकिल किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई।

### 1200 प्लॉट वाले विकसित सेक्टर में बढ़े अतिक्रमण पर सख्ती

# सेक्टर-3 में अब नहीं चलेंगे 'निजी पार्क' एचएसवीपी तोड़ेगा अवैध ग्रील, रैंप-चबूतरे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के सबसे विकसित एचएसवीपी सेक्टर-3 और इसके पार्ट-2 में कोठियों के बाहर किए गए अवैध कब्जों पर अब कार्रवाई की तलवार लटक गई है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण यानि एचएसवीपी ने सेक्टरवासियों को नोटिस जारी कर सडक़ किनारे रोड बर्म पर बनाए गए अवैध पार्क, ग्रील, रैंप, चबूतरे और अन्य निर्माण स्वयं हटाने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय तक कब्जे नहीं हटाए गए तो एचएसवीपी स्वयं कार्रवाई करेगा और अभियान का पूरा खर्च संबंधित भू-मालिकों से वसूला जाएगा। एचएसवीपी को लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई शुरू की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार सेक्टर-3 और पार्ट-2 में कई कोठी मालिकों ने अपने घरों के सामने कई-कई फुट तक सार्वजनिक भूमि पर कब्जा कर रखा है। कहीं ग्रील लगाकर निजी पार्क बना लिए गए हैं तो कहीं बड़े रैंप और चबूतरे बनाकर सडक़ की चौड़ाई कम कर दी गई है। इससे वाहन चालकों और सेक्टरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

**प्रशासन से मांगी पुलिस फोर्स, खर्च भी भू-मालिकों से वसूला जाएगा**

फतेहाबाद। हुडा सेक्टर 3 में सडक़ों पर अतिक्रमण कर बनाए गए रैम्प व सीवरेज।

**बोले अधिकारी**

**जल्द हटेंगे कब्जे**

*सेक्टर-3 में कोठियों के आगे अवैध रूप से रैंप, चबूतरे और अनधिकृत सीवरेज निर्माण किए गए हैं। शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली गई है। पुलिस बल और ड्यूटी मजिस्ट्रेट उपलब्ध होते ही अभियान शुरू कर दिया जाएगा।*

*-रामप्रसाद, एसडीओ, एचएसवीपी, फतेहाबाद*

**दो-तिहाई हिस्से में हो चुका निर्माण**

फतेहाबाद में हाईवे पर स्थित सेक्टर-3 को शहर का सबसे विकसित सेक्टर माना जाता है। यहां करीब 1200 प्लॉट हैं, जिनमें से दो-तिहाई से अधिक पर निर्माण हो चुका है। शहर में फिलहाल यही एक ऐसा सेक्टर है जहां बड़े स्तर पर आबादी बस चुकी है। ऐसे में अतिक्रमण बढने से यातायात और सार्वजनिक सुविधाओं पर असर पड़ रहा है।

**पहले समझाया, अब होगी कार्रवाई**

एचएसवीपी अधिकारियों के अनुसार इससे पहले भी प्लॉट धारकों को नोटिस और मौखिक रूप से अवैध निर्माण हटाने के लिए कहा गया था, लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यदि भू-मालिक स्वयं निर्माण नहीं हटाते हैं तो विभाग बुलडोजर चलाकर इन्हें हटाएगा और अभियान पर आने वाला खर्च भी संबंधित मालिकों से ही वसूला जाएगा।

**पुलिस बल नहीं मिलने से टला अभियान**

एचएसवीपी के एसडीओ रामप्रसाद ने बताया कि सेक्टर-3 में अवैध रैंप, चबूतरे और अनधिकृत सीवरेज निर्माण को लेकर कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। विभाग ने पिछले वर्ष भी नोटिस जारी किए थे। 15 और 16 जून को कार्रवाई का कार्यक्रम तय किया गया था, लेकिन पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के कारण अभियान स्थगित करना पड़ा।

### कड़ी सुरक्षा के बीच नीट पुनर्परीक्षा संपन्न

# 2258 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 268 रहे अनुपस्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

नीट (यूजी)-2026 पुनर्परीक्षा जिला में रविवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। परीक्षा के सुचारू एवं पारदर्शी संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए। इस परीक्षा के लिए जिले में छह परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जिनमें परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। कुल 2526 परीक्षार्थी में से 2258 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 268 की अनुपस्थिति रही। सुरक्षा की दृष्टि से भी व्यापक प्रबंध किए गए, स्थानीय पुलिस के अलावा सीएपीएफ की अतिरिक्त सुरक्षा रही। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कॉर्डिनेटर प्रिंसिपल प्रदीप सिंह ने शाम सात बजे के दौरान बताया कि नीट परीक्षा को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक व्यवस्था की गई थी और परीक्षा का आयोजन पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। जिले में छह परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें राजकीय नेशनल कॉलेज में 480 परीक्षार्थी, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अनाज मंडी में 480 परीक्षार्थी, राजकीय गल्र्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल नजदीक शाह सतनाम सिंह चौक में 480 परीक्षार्थी, राजकीय कॉलेज फॉर वूमेन बरनाला रोड में 480 परीक्षार्थी तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक एयरफोर्स स्टेशन सिरसा में 366 तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर दो में 240 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा देने के प्रबंध किए गए। इनमें से 2258 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है, जबकि 268 की अनुपस्थिति दर्ज की गई। रविवार को पुनर्परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सिरसा में कंट्रोल रूम स्थापित भी किया गया था।

### शहर के बाजारों को जाम से मुक्ति दिलाने की तैयारी

**फतेहाबाद।** शहर के मुख्य बाजारों और व्यस्त चौकों पर रोजाना लगने वाले लंबे जाम से अब स्थानीय निवासियों और राहगीरों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। फतेहाबाद पुलिस शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु, व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत ट्रैफिक पुलिस के बेड़े में जल्द ही एक नई आधुनिक क्रेन शामिल होने जा रही है, जिससे नो पार्किंग जोन में बेतरतीब खड़े होने वाले वाहनों पर नकेल कसी जा सकेगी। पुलिस प्रवक्ता से मिली जानकारी के अनुसार, शहर के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों, बस स्टैंड और मुख्य चौराहों पर लोग अपने वाहन सडक़ों पर ही पार्क कर देते हैं। मौजूदा समय में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए प्रतिदिन औसतन 13 से 15 चालान किए जा रहे हैं।

# अंधड़ से 50 बिजली पोल गिरे

- डिंग मंडी क्षेत्र में बारिश, बिजली सप्लाई बाधित

हरिभूमि न्यूज ⏭डिंग

डिंग मंडी क्षेत्र में आए तेज अंधड़ और बारिश ने विद्युत व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के कारण करीब 50 बिजली के पोल गिरकर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे डिंग मंडी, मोचीवाली और कुकड़थाना सहित आसपास के क्षेत्रों में घरों और खेतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली बंद होने से ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं किसानों के कृषि कार्य भी प्रभावित हुए। विद्युत निगम के लाइनमैन रोहतास सुथार ने बताया कि तेज आंधी और बारिश के चलते अनेक स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए तथा तारों को भी नुकसान पहुंचा है।

सिरसा। डिंग क्षेत्र में अंधड़ से गिरा बिजली का पोल। *फोटो: हरिभूमि*

**मरम्मत की जा रही**

उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रों में बिजली लाइनों को बहाल कर सप्लाई शुरू कर दी गई है, जबकि शेष प्रभावित स्थानों पर भी कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही सभी लाइनों की मरम्मत पूरी कर नियमित विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली बाधित रहने से पेयजल आपूर्ति, घरेलू कार्यों तथा खेतों में सिंचाई कार्य प्रभावित हुए हैं। लोगों ने निगम से जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था सुचारू करने की मांग की है।

# बड़ागुढ़ा क्षेत्र में व्यक्ति से लूटपाट, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिले में एक व्यक्ति से मारपीट कर लूटपाट की गई। बदमाश रुपये छीनकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों में ही बदमाशों को बड़ागुढ़ा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई राशि बरामद कर ली गई। बड़ागुढ़ा थाना प्रभारी लाभ सिंह ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। बड़ागुढ़ा निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि वह खरीददारी के लिए कालांवाली जा रहा था। गांव बड़ागुढा के पास दो युवकों ने उसपर डंडों से वार किया। जिससे वह घायल हो गया।

**आरोपियों से पूछताछ जारी**

सिरसा। पकड़े गए लूटपाट के आरोपी।

# 5 हजार का इनामी आरोपी काबू

- कॉलेज ग्राउंड मर्डर केस में पुलिस को मिली कामयाबी

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

पैसों के खूनी विवाद में अमित नाम के युवक की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या करने के मामले में भट्टू कलां पुलिस को कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने वारदात के बाद से ही कानून की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी तस्कर और हत्यारोपी विशाल को दबोच लिया है। पकड़ा गया आरोपी विशाल पुत्र राय सिंह, सुलीखेड़ा रोड, भट्टूकलां का रहने वाला है। इस खूनी खेल में शामिल एक आरोपी को पुलिस पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है। भट्टू कलां थाना प्रभारी उपनिरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि यह खूनी साजिश 12 अगस्त 2024 को रची गई थी। मृतक अमित का आरोपियों के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के तहत आरोपी राजकुमार, विशाल, महिपाल और उनके कुछ अन्य साथियों ने एक सोची-समझी रणनीति बनाई। शिकायतकर्ता विरेन्द्र सिंह पुत्र रामेश्वर सिंह, निवासी भट्टू कलां के बयानों के मुताबिक, जैसे ही अमित कॉलेज ग्राउंड पहुंचा, आरोपियों ने उसे घेर लिया। पहले उनके बीच तीखी कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई।

भट्टूकलां। मर्डर केस में गिरफ्तार विशाल।

# करोड़ों की फर्जी निवेश स्कीम का भंडाफोड़, महिला गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** भोले-भाले लोगों को अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों और फर्जी निवेश योजनाओं के जाल में फंसाकर लाखों-करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस ने एक और कामयाबी हासिल की है। इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश की एक शातिर महिला ठग को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई आरोपी महिला की पहचान दीप्ति गुप्ता पत्नी चंद्र प्रकाश गुप्ता, निवासी शालीमार गार्डन, आकाशदीप अपार्टमेंट्स, राजेंद्र नगर, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने महिला को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गौरतलब है कि इस हाई-प्रोफाइल ठगी के मामले में पुलिस पहले भी एक आरोपी को दबोच चुकी है। मामले की परतों को खोलते हुए इकोनॉमिक सेल के प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह ने बताया कि मताना निवासी सुरेश कुमार पुत्र प्रताप सिंह ने इस ठगी के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

### कार्यक्रम | फतेहाबाद पहुंचने पर पंचनद सेवा ट्रस्ट ने किया सांसद संजय भाटिया का स्वागत

# पंजाबी समाज ने देश की तरक्की में निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए फतेहाबाद पहुंचे राज्यसभा सांसद संजय भाटिया का पंचनंद सेवा ट्रस्ट के सदस्यों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत समारोह में पंचनंद सेवा ट्रस्ट के प्रधान किशोरी लाल नारंग, अनिल असीजा, राधा कृष्ण नारंग, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, पार्षद नरेंद्र चनाना, सुरेंद्र मिड्ढा, अशोक मक्कड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने कहा कि पंजाबी समाज ने हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, संघर्ष और सेवा भावना से अलग पहचान बनाई है। देश के विभाजन के बाद विपरीत परिस्थितियों में भी पंजाबी समाज ने अपने परिश्रम के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

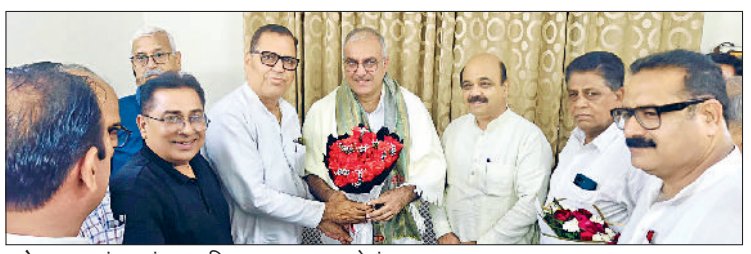

फतेहाबाद। सांसद संजय भाटिया का स्वागत करते पंचनद सदस्य।

**आपसी भाईचारे और सद्भाव की मिसाल पेश की**

सांसद संजय भाटिया ने कहा कि फतेहाबाद सहित पूरे हरियाणा में पंजाबी समाज शिक्षा, व्यापार, उद्योग और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। समाज के लोगों ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए आपसी भाईचारे और सद्भाव की मिसाल पेश की है। संजय भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और इसमें हर वर्ग की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने सामाजिक संगठनों द्वारा किए जा रहे जनसेवा कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सांसद से विभिन्न सामाजिक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का माहौल आत्मीयता और सौहार्द से भरपूर रहा। स्वागत समारोह के बाद सांसद संजय भाटिया अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय आयोजन में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

## भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत ताराचंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

# अनमोल विरासत है बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी

**अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है।**

महिमा

सत्यवीर नाहड़िया

कलम के माध्यम से नवजागरण, राष्ट्रीयता एवं आजादी की अलख जगाने वाले यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गांव गुड़ियानी (रेवाड़ी) अपने आंचल में राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द तथा सांस्कृतिक चेतना की अनूठी स्मृतियां सहेजे है। यही कारण है कि आज गुप्तजी की यह पावनस्थली देश व प्रदेश में अनमोल विरासत के रूप में देखी जाती है।

आज भले ही भारतेंदु युग के सेनापति कहे जाने वाले हिंदी परिष्कारक गुप्त को यह नश्वर देह त्यागे एक सदी बीत चुकी है, फिर भी गुड़ियानी स्थित हवेलियों, पाठशालाओं, मंदिरों, मस्जिदों, बाजारों, छतरियों, कुओं, खेत-खलिहानों तथा बाग-बगीचों को देखकर लगता है कि वे यहीं कहीं मौजूद हैं। पत्रकारिता, साहित्य तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उनकी लेखनी वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो चली है, जिसके चलते गुड़ियानी एक साहित्यिक ग्राम के रूप में लब्धप्रतिष्ठ होकर गुप्त जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनायास याद दिलाता प्रतीत होता है, जहां उनकी पैतृक हवेली किसी साहित्यिक तीर्थ से काम नहीं है। हरियाणा प्रांत के रेवाड़ी जिले में कोसली उपमंडल तथा नाहड़ विकास खण्ड के गांव गुड़यिनी में सन् 1865 में जन्मे बाबूजी की जन्मस्थली को सांस्कृतिक धरोहर कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी,जो अपने आंचल में आज भी उनकी पावन स्मृतियां सहेजे है। बेरों, घोड़ों, हवेलियों तथा वैद्यों के लिए प्राचीनकाल से विख्यात गांव गुड़ियानी नई पीढ़ी के लिए अनमोल विरासत है। यह पहलू गुड़ियानी के बारे में प्रचलित एक प्राचीन कहावत में भी देखने को मिलता है-

*चहार चीज अज तोहफा-ए-गुड़ियानी।*
*बेर, सौदागर, घोड़े, कोठी का पानी।।*

कहते हैं कि जहां आजादी प्राप्ति से पूर्व गुड़ियानी में बेरों के सौ बाग थे, वहीं यह पहलू आज भी कम दिलचस्प नहीं है कि क्षेत्र में बेरों की बिक्री गुड़यिनी के बेर कहकर की जाती है। यह उल्लेखनीय पहलू भी कम महत्व नहीं रखता कि प्रथम विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना को लगभग पचास फीसदी घोड़े इस क्षेत्र के पठानों ने मुहैया करवाए थे, जिनका केन्द्र गुड़ियानी था। गुड़ियानी के नामकरण के संदर्भ में अनेक मत प्रचलित हैं, जिनमें दो उल्लेखनीय हैं। पहला यह है कि करीब छह सौ साल पहले गजनी से आकर मसहखां नामक पठान ने यह गांव बसाया था,जिसकी प्रजाति गौरियानी थी। वस्तुतः इसका गाम गौरियानी रखा गया, जो कालचक्की में पिसते-पिसते गुड़ियानी हो गया। एक अन्य प्रचलित मत के मुताबिक इस गांव को गुड़िया नामक राजपूत ने करीब छह सौ साल पहले बसाया था। इसके अलावा सन् 1350 ई. में दिल्ली से आए तोमर गोत्रीय जाट द्वारा बसाए जाने का संदर्भ भी आता है। इनमें से मसहखां प्रकरण ज्यादा प्रामाणिक है क्योंकि मसहखां, मुरशेदखां तथा वयातखां नामक तीन सगे भाइयों द्वारा बसाये गए क्रमशः गुड़ियानी, जखाला व भूरियावास गांव साथ-साथ लगते हैं तथा इन तीन भाइयों की औलाद द्वारा बसाये गए रसूलपुर, शादीपुर, मुंदड़ा, मलेशियावास नामक गांव भी गुड़ियानी क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं।

गुड़ियानी में जन्मे एक बालक ने अंग्रेजीकाल में साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी कलम से आजादी की अलख जगायी। राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक व भाषायी अलख के प्रणेता बाबू बालमुकुंद गुप्त का जन्म एवं आरंभिक पढ़ाई इसी गांव में हुई तथा विषम व विकट प्रस्तुतियों में सियालकोट से होडल तक फैले महापंजाब की पांचवीं कक्षा में अव्वल रहकर गुड़ियानी गांव, गुरुजनों व माता-पिता का नाम रोशन किया। पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में इसी बालक ने अपनी कलम का लोहा मनवा कर आजादी की अनूठी अलख जगाई तथा पत्रकारिता क्षेत्र में नए मानदण्ड स्थापित किए।

गुड़ियानी क्षेत्र अपने वैद्यों के लिए भी जाना जाता है। प्राचीनकाल का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा यह गांव अब कोसली विधानसभा तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र का भाग है। इस गांव को गुप्त की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर आदर्श गांव घोषित कर, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी थी। फिर गांव के सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम से किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर,रेवाड़ी में उनके नाम से पीठ तथा हरियाणा साहित्य अकादमी भवन, पंचकूला में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उनके नाम से अकादमी पुरस्कार प्रारंभ किए गए, जो आज भी दिए जा रहे हैं। ये सब कार्य पिछले 30 वर्षों में हुए हैं तथा अभी बहुत कुछ होना शेष है।

करीब पांच हजार वोटों वाले इस गांव में 17 वार्ड हैं। बढ़ेरा, तिहाग, कालेवाड़ा, बहादरवाड़ा, नामक पान्नों में बंटा गांव गुड़ियानी मुख्यतः दलित बाहुल गांव है, जिसमें अहीर, कुम्हार, वैश्य, माली, बाल्मीकि, खटीक, मीणा, ब्राह्मणों आदि जातियों के लोग भी काफी संख्या में है। गांव के अलावा ढाणियों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है। भले ही अधिकांश हवेलियां आज खण्डहर हो चुकी हैं, फिर भी उनकी कलात्मकता एवं निर्माणशैली अनायास आकर्षित करती है। इन हवेलियों के बीच दो हवेलियां हिंदी नवजागरण के पुरोधा गुप्त की अनमोल स्मृतियों की मूक साक्षी रही हैं। ये दोनों हवेलियां आसपास हैं, जिनमें से वह हवेली जिसमें गुप्तजी का जन्म हुआ था, आज पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, किंतु दूसरी हवेली जिसका निर्माण स्वयं गुप्तजी ने करवाया था, आज भी अपनी विराटता व कलात्मकता के अलावा गुप्तजी की अनमोल यादों को सहेजे हुए है। यह हवेली उनके निधन के बाद कई दशकों तक बंद रही, जिसके चलते इसमें रखी उनकी अमूल्य निधियां धूल, दीमक की भेंट चढ़ गई। कभी लंबे अरसे तक बंदरों व कबूतरों की सैरगाह रही इस हवेली में आदमकद झाड़ियां व घास की भरमार थी, किंतु अब पिछले दो दशक से यह हवेली जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केन्द्र बनकर उभरी है। इस दो मंजिला इमारत में आज भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने इस हवेली को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा साहित्य अकादमी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में इस हवेली में गुप्त जी का संग्रहालय स्मारक तथा ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस स्मारक के संरक्षित होने की सरकारी अधिसूचना के बाद अब इस दिशा में संबंधित लंबित कार्य पूरा होने की नए सिरे से आस जगी है। क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन चुका गुड़ियानी साम्प्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल है। मंदिरों एवं मस्जिदों वाले इस गांव के हिन्दू लोग अगाध श्रद्धा से मुन्नीवाली मस्जिद में जाते हैं। मस्जिद की कलात्मक मीनारें, नक्काशी, तैलचित्र अनायास आकर्षित करते हैं। गांव के कालेवाड़ा व बढ़ेरा नामक मौहल्लों में स्थित दो ठाकुरद्वारे अपनी अनूठी निर्माणशैली व नायाब वास्तुकला के जीते-जागते नमूने हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों में शिव मंदिर व श्याम मंदिर के अलावा अनेक प्राचीन छतरियां अपनी छाप छोड़ती हैं। साहित्यिक ग्राम में पठान संस्कृति के अवशेष रूप में अनेक खण्डहर, अस्तबल हवेलियां, ईदगाह आदि मौजूद हैं। गत कुछ दशकों से गुप्त जी को लेकर हो रहे काम से सुर्खियों में रहे गुड़ियानी गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जल निकासी की समस्याएं हैं। गत कई वर्षों से यशस्वी साहित्यकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिरस्थायी एवं प्रेरणापुंज बनाने के लिए प्रयासरत संस्था बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् (पंजीकृत) के संरक्षक अधिवक्ता नरेश चौहान 'राष्ट्रपूत' का विचार है कि प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्त की जन्मस्थली स्थित उनकी प्राचीन हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके ही गुड़ियानी को राष्ट्रीय मानचित्र पर विशेष पहचान दे सकती हैं। गुड़ियानी की निकटवर्ती पहाड़ी भी अपने आंचल में शहीदों की मार्मिक दास्तान सहेजे है।

**इस दो मंजिला इमारत में आज तक भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया।**

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने आजादी की गुहार करने वाले 114 रणबांकुरों को इसी पहाड़ी पर फांसी दी थी। इतिहास के अनूठे पृष्ठों को अपने आंचल में सहेजे गांव गुड़ियानी ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं तथा मुगलों व अंग्रेजों के समय में अपनी वीरता एवं देशभक्ति प्रेरक इतिहास रचा है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गुड़ियानी के जांबाज योद्धा मोहम्मद आजमखां ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज वक्त का तकाजा है कि हरियाणा प्रदेश में जहां बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, वहीं गुड़ियानी स्थित उनकी हवेली को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। देखना यह है कि राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्तजी की जन्मस्थली राष्ट्रीय मानचित्र पर कब पहचान बना पाती है?

---

कविता

नरेन्द्र कुमार

### ब्याह

चार तरहां के ब्याह हो रै,
ये दुनियादारी है।
किस ब्याह के ढंग बताऊं,
ये मुनिया प्यारी है।।

मां - बाप ढूंडै अच्छा छौरा,
काला हो या भूरा।
अनपढ़ हो या वो पढ़ा-लिखा,
भूखा हो या बहोरा ।।
ऐसी सामाजिक शादी करना,
अच्छी समझदारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

नयनों से जिनके नयन मिले,
मिले नहीं जिनकी शक्ल।
वे घर से भाग गए जो कमशल,
उनकी मारी गई अक्ल।।
भगौड़ा ब्याह करने वाले,
मां से गद्दारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

पढ़ लिखकर रोजगार लिया,
कोई साथी आन मिला।
तन,मन, धन, कुटुम्ब मिला,
मां - बाप को मान दिला।।
ऐसा प्रेम विवाह करना,
इसमें ना हलवारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

मन करता तब तक संग रहते,
मन भरता छोड़ देते।
मन करता तब चूड़ी पहन लेते,
मन करता फोड़ देते।।
मन मर्जी के ब्याह के भी,
भारे व्यापारी हैं।।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

---

रागनी

मनोज वशिष्ठ

### प्रकृति का न्याय, मानस का लालच

मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।
यो जुल्म कमावै कुदरत पै, क्यूं भूल गया तेरी काया रे।।

ईश का बास है जर्रे-जर्रे में, ऋषि-मुनियां ने समझाया था। त्याग भाव तै भोग करो, वेदों ने ज्ञान सिखाया था।।
तैने कंक्रीट के जंगल चुन लिए, यो के अंधेर कमाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

नदियां का पानी जहर कर दिया, हवा में घोल दिया गाद रे।
जेठ की दुपहरी झुलसण लागी, बद्ल्या मौसम का मिजाज रे।।
टीले पिघलें कंचन बरफ के, तैने खुद का काल बुलाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

चौपाल की वो ठंडी छाँया, मटके का पानी भूल गया।
सादगी छोड़ के मानस, दिखावे की आंधी में झूल गया।।
सुघड़ कमंडल, नीम की छाँया, सारा वैभव तैने गंवाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

'एक पेड़ मां के नाम' लगा ले, इब भी सम्भलण का मौका सै।
प्रकृति के धौरे सब की खातर, लालच की खातर चौका सै।।
'वशिष्ठ' कहे सुण प्रबुद्ध मानस, क्यूं खुद पै कहर ढाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

---

आमटी तालाब

**पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में इसे अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है**

# स्मृतियों में जीवित एक राजकुमारी की अमर गाथा

धरोहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के ऐतिहासिक नगर हांसी की पहचान केवल उसके विशाल किले, प्राचीन स्थापत्य और राजनीतिक इतिहास से नहीं बनती, बल्कि उन लोककथाओं से भी है जो पीढ़ियों से लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कथा है आमटी तालाब की, जिसे पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है। यह तालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि एक ऐसी राजकुमारी की स्मृति का प्रतीक है जिसने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान दे दिया। हांसी का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। अनेक राजवंशों और शासकों ने यहां शासन किया।

मध्यकाल में यह नगर सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसी कालखंड से जुड़ी एक लोकगाथा आज भी क्षेत्र के बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित है। लोकविश्वास के अनुसार हांसी पर शासन करने वाले राजा श्रीपाल की पुत्री अमृति अपनी सुंदरता, साहस और आत्मसम्मान के लिए प्रसिद्ध थीं। कहा जाता है कि विदेशी आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में जब राज्य पर संकट आया तो राजकुमारी अमृति को भी अपमान और बंदी बनने का खतरा उत्पन्न हो गया। उस समय भारतीय समाज में सम्मान और आत्मगौरव को सर्वोच्च मूल्य माना जाता था। लोककथा के अनुसार अमृति ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय एक कठिन निर्णय लिया। उन्होंने नगर के निकट स्थित एक विशाल जलाशय में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह घटना नगरवासियों के मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ गई कि उस जलाशय को राजकुमारी की स्मृति में अमृति तालाब कहा जाने लगा। समय के साथ स्थानीय बोली और उच्चारण में परिवर्तन हुआ और अमृति शब्द धीरे-धीरे "आमटी" में परिवर्तित हो गया। आज भी अनेक लोग इस जलाशय को आमटी तालाब के नाम से जानते हैं। इतिहासकारों का मानना है कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक लोककथाएं प्रचलित रही हैं जिनमें महिलाओं के साहस और आत्मसम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि इन कथाओं के सभी विवरणों का लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी लोकस्मृति में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आमटी तालाब की कथा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना का प्रतीक है जिसमें सम्मान और स्वाभिमान को जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना जाता था। हांसी का ऐतिहासिक किला इस कथा का मौन साक्षी प्रतीत होता है। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस किले ने अनेक युद्ध, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। किले की प्राचीरों और उसके आसपास के क्षेत्र में फैली लोककथाएं आज भी इतिहास और कल्पना के अद्भुत संगम का अनुभव कराती हैं। आमटी तालाब की कहानी भी इसी ऐतिहासिक परिवेश में विकसित हुई। लोकसाहित्य के दृष्टिकोण से देखें तो आमटी तालाब की कथा केवल अतीत का वर्णन नहीं करती, बल्कि समाज के मूल्यों को भी अभिव्यक्त करती है। हरियाणा की लोकसंस्कृति में वीरता, त्याग, आत्मसम्मान और सामुदायिक स्मृति का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि सदियों बीत जाने के बाद भी यह कथा लोगों की जुबान पर बनी हुई है। आज जब आधुनिकता के प्रभाव में अनेक ऐतिहासिक स्थल और लोककथाएं विस्मृति के अंधकार में खोती जा रही हैं, तब आमटी तालाब जैसी स्मृतियां सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता का संदेश देती हैं। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी आमटी तालाब और उससे जुड़ी कथा महत्वपूर्ण हो सकती है। हांसी आने वाले पर्यटक केवल किला ही नहीं, बल्कि उस लोकइतिहास को भी जानना चाहते हैं जो इस नगर की आत्मा में बसता है। राजकुमारी अमृति की कथा, हांसी के प्राचीन किले और नगर की ऐतिहासिक विरासत को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ विकसित किया जा सकता है। आमटी तालाब की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि इतिहास केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं होता। इतिहास उन

***यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।***

लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है, जिन्होंने अपने जीवन से समाज को प्रेरणा दी। राजकुमारी अमृति की लोकगाथा चाहे इतिहास और किंवदंती के बीच कहीं स्थित हो, लेकिन वह हांसी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज भी जब हांसी की पुरानी गलियों, किले की दीवारों और ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख होता है, तब आमटी तालाब का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि स्मृति, साहस और लोकविश्वास का वह दर्पण है जिसमें हांसी का अतीत आज भी प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है।

---

# ग्लैमर नहीं किरदार के पीछे भागो : नैना

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा के शेक्सपियर एवं सूर्यकवि पंडित लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से कौन परिचित नहीं है। पूरे विश्व में उनकी चर्चाएं होती है उन पर शोध कार्य हो रहे हैं। आज आपको उनकी प्रपौत्र वधू नैना से रूबरू करवा रहे हैं, जो इस गौरवशाली लोक-साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नैना ने दादा लखमीचंद यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और रंगमंच उनकी पहली मोहब्बत है। उन्होंने 'नचार', 'फांस', 'हाथ रुपया' और 'परिणीता' जैसी चर्चित फिल्मों में उल्लेखनीय कार्य किया है, जबकि 'फांस' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'फांसले', 'छाया', 'मौत', 'निर्णय', 'यादें', 'उधेड़बुन' और 'दरार' जैसी शॉर्ट फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। मंच नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और हरियाणवी फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने सुपवा के प्रोजेक्ट्स से भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में एक हरियाणवी फीचर फिल्म और पंडित लखमीचंद की विरासत पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री शामिल है।

नैना बताती हैं कि दादा लखमीचंद के प्रपौत्र चेतन कौशिक से विवाह के बाद जब वह इस परिवार की बहू बनी तो लगा जैसे माटी की खुशबू से रिश्ता जुड़ गया। स्वयं उनके शब्दों में -'ये परिवार सिर्फ घर नहीं, हरियाणा की लोक संस्कृति का जीता-जागता स्कूल है। दादा लखमीचंद का नाम हर सांस में बसता है यहां। ऐसे परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य से बढ़कर गौरव की बात है। आधुनिकता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण क्या सांग जैसी समृद्ध लोक परंपराएँ धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही हैं? क्या वर्तमान पीढ़ी इन्हें अपेक्षित महत्व नहीं दे रही? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर नैना बताती हैं कि तकनीक दुश्मन नहीं, सवारी है। हां, भीड़ रील्स की तरफ भाग रही है, पर असली बात में आज भी दम है। हम सांग को हाशिए पर नहीं जाने देंगे। बस उसे मोबाइल के साइज में ढालना है। युवा जुड़ेगा, गारंटी है। हरियाणा के अनेक लोक कलाकारों के परिजन आज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। साथ ही वे सरकारी सहयोग और अनुदान के अभाव में उपेक्षित भी महसूस करते हैं। नैना को इन लोक कलाकारों के संघर्ष पर दर्द होता है, जब देखते हैं कि जो संस्कृति बचाते हैं, वो खुद मुश्किल में हैं। सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, पर उससे पहले युवा समाज को जागना होगा। बुजुर्गों ने तो बहुत साथ दिया, अब बारी हमारी है। जब तक हम अपनी लोक कलाओं को सम्मान नहीं देंगे, तब तक कलाकार का हौसला भी टूटेगा और संस्कृति भी। हमें मिलकर इस विरासत को बचाना है। नैना के अनुसार सांग की परंपरा में पुरुष कलाकारों द्वारा महिला पात्रों की भूमिका निभाने की विशेष परंपरा रही है। ये परंपरा मजबूरी नहीं, कला थी। उस दौर के हिसाब से ठीक थी। आज महिलाएं खुद मंच पर आ रही हैं, ये सबसे बड़ा बदलाव है। परंपरा की इज्जत करते हुए नए दौर को भी गले लगाना चाहिए। दोनों साथ चल सकते हैं। लोकनाट्य और सांग को आज के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा को सरल बनाना और क्लिष्ट शब्दों को हटाना जरूरी है। साथ ही, लगभग डेढ़ घंटे के पावर-पैक सांग तैयार किए जाएं, ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। उनका मानना है कि सांग को कॉलेज फेस्ट और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तक ले जाना चाहिए। इससे सांग पर लगा 'ओल्ड' का टैग हटेगा और वह 'गोल्ड' के रूप में स्थापित होगा। नैना के लिए रंगमंच उनकी रूह है। साथ में स्क्रिप्ट लेखन, डायरेक्शन में भी वह हाथ आजमा रही हैं। कैमरे के सामने अभिनय का अपना मजा है। कोशिश यही है कि हर कहानी में हरियाणा की माटी बोलती दिखे। व्यक्तिगत तौर पर एक फिल्म डायरेक्ट करना चाहती हैं जो पूरी दुनिया को हरियाणवी कल्चर दिखाए। दादा लखमी की विरासत के लिए एक डिजिटल आर्काइव भी बनाने पर विचार है, जहां उनकी सारी रचनाएं, ऑडियो, वीडियो एक क्लिक पर मिलें। नैना अभिनय के साथ फिल्म मेकिंग से भी जुड़ी रही हैं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रही हैं। उनका मानना है कि हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वह हरियाणवी सिनेमा का भविष्य सुनहरा मानती हैं । अब हमारे हरियाणा में भी एक सिनेमा की शुरुआत हो चुकी है।, नैना सुपवा के साथ अपने

**हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब फिल्म डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।**

अनुभव साझा करते हुए बताती हैं कि सुपवा मतलब अनुशासन और आज़ादी का संगम। वहां सीखा कि कला में रियाज़ और रिसर्च दोनों जरूरी हैं। सुपवा ने मुझे कलाकार से कर्मयोगी बनाया। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में नैना का मानना है कि रंगमंच वन टेक मैच है - तालियां तुरंत, गलती की माफी नहीं।

कैमरा टेस्ट सीरीज है - रीटेक है, पर इमोशन एक बार में पकड़ना है। मंच दिल देता है, कैमरा बारीकी सिखाता है। दोनों जरूरी हैं। नए कलाकारों के लिए उनका संदेश है कि ग्लैमर के पीछे मत भागो, किरदार के पीछे भागो। रियाज़ छोड़ोगे तो बाजार छोड़ देगा। हरियाणवी में सोचो, हरियाणवी में जियो, फिर देखना दुनिया तुम्हारी बोली बोलेगी और हां, दादा लखमीचंद की बातों का अनुसरण करो ,रास्ता खुद मिल जाएगा।

### बारिश के बाद खेतों में धान की रोपाई का कार्य तेजी से बढ़ रहा आगे

# धूप उमस ने बढ़ाई बेचैनी, 80 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली की डिमांड

फतेहाबाद। धान की रोपाई करते मजदूर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पिछले दिनों हुई बारिश से जहां भीषण लू से राहत मिली थी, वहीं अब वातावरण में बढ़ी नमी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रविवार को तेज धूप और उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। सुबह से ही हवा की रफ्तार बेहद कम रहने के कारण चिपचिपी गर्मी का असर पूरे दिन महसूस किया गया। रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उमस के कारण लोगों को घरों के अंदर और बाहर दोनों जगह परेशानी झेलनी पड़ी। दोपहर के समय बाजारों और सडक़ों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल दिखाई दी।

## धान रोपाई के साथ मजदूरों की मांग में उछाल

बारिश के बाद खेतों में धान की रोपाई का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसान पूरी सक्रियता के साथ रोपाई में जुटे हुए हैं। रोपाई के काम में अचानक आई तेजी के कारण कृषि मजदूरों की मांग भी बढ़ गई है और कई क्षेत्रों में अतिरिक्त श्रमिकों की जरूरत महसूस की जा रही है। उमस भरे मौसम और कृषि गतिविधियों में तेजी का असर बिजली खपत पर भी साफ दिखाई दिया है। एक ओर धान की फसल के लिए खेतों में लगातार ट्यूबवेल चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर घरों में एसी, कूलर और पंखों का उपयोग भी काफी बढ़ गया है। इसी कारण रविवार को जिले में बिजली की खपत 80 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई।

### 23 से फिर बदलाव के संकेत

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में मौसम दोबारा करवट ले सकता है। 23 जून को आसमान में बादल छाए रहने तथा कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई गई है। इससे उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

### मौसम बदलाव का रखें ध्यान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने बताया कि वे मौसम में संभावित बदलाव को ध्यान में रखते हुए फसलों का प्रबंधन करें। यदि रविवार को बारिश होती है तो धान की सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों की योजना उसी अनुसार बनाएं, ताकि वर्षा के पानी का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

### सेवा प्रकल्पों को देख हुए गदगद

# भिवानी सांसद धर्मबीर सिंह ने फतेहाबाद अपना घर सेवा धाम का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नर सेवा ही नारायण सेवा है, और इस बात को फतेहाबाद का सद्गुरु कृपा अपना घर मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम पूरी तरह चरितार्थ कर रहा है। रविवार को भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह ने इस पावन धाम का दौरा किया। आश्रम परिसर में पहुंचने पर प्रमुख सेवादार विनोद तायल और दीपक तायल ने उनका स्वागत किया। सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने इस दौरे के दौरान सेवा धाम में चल रहे विभिन्न सेवा कार्यों को बेहद करीब से देखा और उनकी बारीकियों को समझा।

फतेहाबाद। आश्रम में सांसद धर्मबीर सिंह का स्वागत करते सेवादार।

सबसे पहले उन्होंने श्रीकृष्ण प्रणामी महिला आश्रम का अवलोकन किया और वहां रह रही महिलाओं से मुलाकात की। इसके बाद सांसद श्रीकृष्ण प्रणामी गौवंश अनुसंधान संस्थान और गौ हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने गौ आधारित उत्पाद निर्माण इकाई का भी बारीकी से निरीक्षण किया और जाना कि कैसे गायों के संरक्षण के साथ-साथ आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने सद्गुरु कृपा अपना घर एवं श्रीकृष्ण प्रणामी वृद्धाश्रम का भी भ्रमण किया।

### स्मृति चिन्ह किया भेंट

डॉ. स्वामी सदानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में देश भर में जो सेवा की अलख जगाई जा रही है, वह वास्तव में अद्भुत और अनुकरणीय है। दौरे के समापन पर सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम, फतेहाबाद परिवार की ओर से सांसद धर्मबीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आश्रम के कई गणमान्य सदस्य और सेवादार मौजूद रहे।

## चिकित्सा शिविर का लोगों ने उठाया लाभ

**सिरसा।** शहर के रानियां चुंगी क्षेत्र में सतगुरु प्रताप सिंह अस्पताल की ओर से निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। जानकारी देते हुए राय सिंह रेनू ने बताया कि शिविर में 100 से अधिक मरीजों की जांच की और उचित परामर्श दिया। अस्पताल की ओर से जांच के लिए आए मरीजों को दवाएं भी निःशुल्क दी गई। इस मौके पर डा. संजय भाटी ने कहा कि हमारा शरीर भी एक मशीन की भांति कार्य करता है। मशीन में खराबी आती है तो हम उसे मिस्त्री के पास लेकर जाते हैं, ठीक वही दशा हमारे शरीर की है। जब तक हम उसकी देखभाल नियमित रूप से करेंगे, तब तक वह ठीक है, लेकिन जरा सी लापरवाही की तो हम बीमार पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते रहें, ताकि समय रहते बिमारी का पता चल सके।

# निःशुल्क मेडिकल कैंप में करवाई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रोटरी क्लब फतेहाबाद टाउन एवं सद्भावना अस्पताल के संयुक्त सहयोग से रविवार को सद्भावना अस्पताल, सेक्टर-3, फतेहाबाद में निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस कैंप में शहरवासियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। इस दौरान डॉ. अंशुल सहगल, डॉ. मनोज चालिया तथा डॉ. शुभम महतानी ने अपनी सेवाएं देते हुए मरीजों का परीक्षण किया। कैंप में आने वाले लोगों की ईसीजी, शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच निःशुल्क की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी मुफ्त वितरित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अंशुल सहगल ने कहा कि वर्तमान में भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने से कई गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उनका प्रभावी उपचार संभव हो पाता है। उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, संतुलित आहार लेने तथा स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करने की अपील की।

## पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई पहुंचे सिरसा

**सिरसा।** पूर्व सांसद एवं भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई रविवार को सिरसा स्थित जाट धर्मशाला में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में शिरकत करने पहुंचे। उनके साथ नलवा विधायक रणधीर पनिहार भी थे। उनका समर्थकों ने उनका यहां पहुंचने पर फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। जाट धर्मशाला पहुंचते ही सबसे पहले पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई एवं विधायक पनिहार ने देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद जाट सभा की कार्यकारिणी ने कुलदीप बिश्नोई और विधायक रणधीर पनिहार को शॉल भेंट कर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सिरसा व हिसार से उनके काफी समर्थक भी कार्यक्रम में नजर आए।

## कुछ ही घंटों में चावल चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** जाखल में ट्रैक्टर-ट्राली से चावल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। काबू किए गए आरोपियों की पहचान जाखल मंडी की बाजीगर बस्ती निवासी पूरण उर्फ विक्की तथा सोनू उर्फ गंगू के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरीशुदा चावल का बैग तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि जाखल मंडी के भुना रोड, पुल के नीचे स्थित सिंगला एग्रो फूड्स के पार्टनर दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 20 जून को दो अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आए और उनकी मिल के बाहर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से 50 किलो चावल का एक बैग चोरी कर फरार हो गए।

# हेरोइन के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा नशा तस्कर

### नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे कड़े अभियान में सीआईए टोहाना पुलिस ने एक नशा तस्कर को रंगे हाथों दबोच लिया है, जो पंजाब से आकर हरियाणा के युवाओं की रगों में जहर घोलने की फिराक में था। पकड़े गए आरोपी की पहचान गौरव कुमार के रूप में हुई है, जो मनियाना, जिला संगरूर का रहने वाला है। अदालत के आदेशों के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले का खुलासा करते हुए सीआईए टोहाना के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि उप निरीक्षक जग्गा सिंह के नेतृत्व में पुलिस की एक विशेष टीम मनियाना रोड स्थित टिब्बा बस्ती चौक क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि रजबाहा पुल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है, जिसके पास भारी मात्रा में नशा है और वह ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए घेराबंदी की और मौके पर दबिश देकर आरोपी को धर दबोचा। जब आरोपी गौरव कुमार की तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक पारदर्शी पॉलीथिन पाउच बरामद हुआ। जांच करने पर उसमें 6.51 ग्राम हेरोइन पाई गई।

# भूना में 23 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक व मोबाइल भी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनसी सेल फतेहाबाद ने एक युवक को 23 किलो 20 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि उप निरीक्षक प्रेम कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम जांडली खुर्द बस अड्डा क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि हिसार जिले के गांव काबरेल निवासी दीवान सिंह, जो वर्तमान में जाखल क्षेत्र में रह रहा है, मोटरसाइकिल पर गांजा लेकर भूना क्षेत्र में बिक्री के लिए आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने कुला रोड स्थित कैची चौक पर नाकाबंदी कर दी। कुछ समय बाद एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसने वापस मुडऩे का प्रयास किया, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही काबू कर लिया। नशा तस्करी से जुड़े मामले की सूचना डीएसपी नर सिंह बिश्नोई को दी गई। डीएसपी की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी ली गई।

भूना। गांजा सहित पकड़ा गया युवक।

# बीएलओ के साथ ड्यूटी लगाने से आशा वर्कर्स में नाराजगी

### लघु सचिवालय पर आज करेंगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला में चल रहे एसआईआर कार्य में बीएलओ के साथ ड्यूटी लगाने पर आशा वर्कर्स के स्वर मुखर होने लगे हैं। प्रशासनिक तानाशाही के खिलाफ आशा वर्कर्स ने कल 22 जून को लघु सचिवालय में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। यूनियन की जिला प्रधान दर्शना, शिमला, मीनाक्षी, ऊषा, रेखा ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रशासन की ओर से एसआईआर कार्य में बीएलओ के साथ जबरन आशा वर्कर्स की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि बीएलओ के साथ आशा वर्कर यह ड्यूटी नहीं कर सकती, क्योंकि आशा वर्कर्स सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। आशा वर्कर्स एक वालंटियर के पद पर काम करती हैं, जो विभाग का काम करती हैं, उसका उन्हें इंसेंटिव मिलता है। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स को कोई फिक्स वेतन नहीं मिलता, इसलिए वे ये काम नहीं कर सकती। जिला प्रधान दर्शना ने कहा कि इससे पूर्व भी सरकार व प्रशासन की ओर से ऐसे कार्यों में आशा वर्कर्स की ड्यूटियां लगाई गई हैं, जोकि उनके हैं ही नहीं। सरकार व प्रशासन जबरन ऐसे कार्य उनपर थोपकर उनका मानसिक शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स यूनियन ऐसे किसी फरमान को बर्दाश्त नहीं करेगी।

# पुलिस ने चार नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने जिले क्षेत्र चार नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन बरामद की है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने रविवार को आरोपियों की पहचान सिरसा नरेंद्र कुमार, देवराज, संदीप कुमार व रामदेव के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान बरनाला रोड शक्तिनगर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक आते दिखाई दिए जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर उन्हें काबू कर लिया और तलाशी ली तो उनके कब्जे से आठ ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

### चेक बाउंस मामले में वांछित भगोड़ा दबोचा

**सिरसा।** पुलिस ने चेक बाउंस मामले में वांछित भगोड़े आरोपी को गांव अहमदपुर क्षेत्र से काबू किया। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि अदालत द्वारा आरोपी को बार-बार नोटिस देने पर भी आरोपी अदालत में हाजिर नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन सिरसा में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्जकर जांच शुरू की गई थी।

# मोबाइल हैक कर 98 हजार ठगने के दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

साइबर थाना सिरसा पुलिस ने मोबाइल फोन हैक कर बैंक खाते से 98 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में दो युवको पंजाब के अबोहर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियो को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि जिला के गांव बणी निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सिरसा में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार बीती 28 मई 2026 को उसके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल रिसीव करते ही उसके मोबाइल की स्क्रीन अचानक काली हो गई और लगभग 10 से 15 मिनट तक फोन ने काम करना बंद कर दिया। बाद में फोन चालू होने पर उसे किसी गड़बड़ी की आशंका हुई।

सिरसा। साइबर ठगी के आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

### अज्ञात खातों में ट्रांसफर कर दिए रुपये

जांच के दौरान पता चला कि उसके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से बिना अनुमति के 50 हजार रुपए और 48 हजार रुपए की दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर कुल 98 हजार रुपए अज्ञात खातों में ट्रांसफर कर दिए गए थे। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना सिरसा में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्जकर जांच शुरू की गई।

# प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था चिंताजनक: सैलजा

- जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने रोहतक जिले के महम में कांग्रेस विधायक बलराम डांगी के कार्यालय के बाहर हुई फायरिंग की घटना को प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का चिंताजनक उदाहरण बताया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जब किसी विधायक के कार्यालय के बाहर, वह भी थाने से कुछ ही दूरी पर, खुलेआम फायरिंग की घटना हो सकती है तो आम नागरिक की सुरक्षा को लेकर स्वाभाविक रूप से गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। प्रदेश में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाएं, गोलीबारी, लूट और फिरौती के मामले कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता बढ़ा रहे हैं। सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि जनता का कानून व्यवस्था पर विश्वास बना रहे। कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के लोग सुरक्षित वातावरण चाहते हैं और सरकार को कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रभावी तथा ठोस कदम उठाने चाहिए।

## संगठन में बेहतरीन कार्यों के लिए जेई रामसरन सम्मानित

**सिरसा।** एचएसईबी वर्कर यूनियन, द्वारा हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में स्टेट चीफ एडवाइजर रामसरन जेई को राज्य प्रधान द्वारा फूलमालाएं पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में बिजली कर्मचारियों की विभिन्न मांगों, विभागीय समस्याओं तथा कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जेई रामसरन मौजदीन ने कर्मचारियों को संगठन की एकता बनाए रखने तथा अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का आह्वान किया। राज्य प्रधान ने कहा कि रामसरन जेई ने संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों की आवाज को बुलंद करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

# साइकिल रेस स्पर्धा में बच्चों ने दिखाया दमखम, साहिल कंबोज रहा प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव अकादमी के तत्वावधान में सीनियर सेकेंडरी बॉयज स्कूल, रतिया के प्रांगण में एक साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेल के प्रति रुचि जगाना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विकास एवं वितरण निगम के चेयरमैन बलदेव ग्रोहा ने हरी झंडी दिखाकर रेस का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज के दौर में शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी अत्यंत महत्व है। खेल न केवल शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखते हैं, बल्कि बच्चों में टीम भावना, सहनशीलता और जीतने का जज्बा पैदा करते हैं। उन्होंने अकादमी के प्रयासों की सराहना की।

### लड़कियों के वर्ग में जैस्मिन रही द्वितीय

साइकिल रेस प्रतियोगिता में साहिल कंबोज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं दीपक कंबोज दूसरे और सौरभ ने तीसरा स्थान हासिल कर अकादमी का नाम रोशन किया। अंडर-14 आयु वर्ग 400 मीटर इस रोमांचक रेस में अरमान इंढौर ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के वर्ग में जैस्मिन ने दूसरा और पल्लवी ने तीसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस अवसर पर दर्शन , मा. धर्मवीर सिंह, विजय चिल्लाना, शमशेर, जयपाल, गुरदीप, संजय कुमार, हरदीप सिंह रतनगढ़ और बलदेव चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इन सभी ने खिलाडिय़ों को पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

### राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए जिला टीम का ऐलान

# कैरम बोर्ड में चमकेगा फतेहाबाद का नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला कैरम बोर्ड एसोसिएशन फतेहाबाद के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल दिखाने वाले प्रतिभावान खिलाडिय़ों का चयन आगामी राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप के लिए किया गया है। चयनित टीम कोच खुशप्रीत की देखरेख और मार्गदर्शन में फतेहाबाद का प्रतिनिधित्व करने के लिए रवाना होगी। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के तौर पर विरेन्द्र नारंग मौजूद रहे। इनके अलावा विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकगण चंचल, पालाराम, मोहित, खुशप्रीत, हरीश, विकास, तेजपाल सैनी, सतपाल व सुरेन्द्र ने भी खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन किया। जिला कैरम बोर्ड एसोसिएशन फतेहाबाद के कृष्ण कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता हरियाणा कैरम एसोसिएशन के दिशा-निर्देशन में आयोजित की गई थी। इसे राज्य कैरम कोऑर्डिनेटर एडवोकेट मुकेश कुमार एवं वरिष्ठ खेल प्रेमी बचन सिंह के मार्गदर्शन और देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

फतेहाबाद। जिला कैरम प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

### 25 से 28 जून तक होगी प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता के माध्यम से चुने गए खिलाड़ी 25 से 28 जून तक गुरुग्राम स्थित केएम यूनिवर्सिटी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कैरम बोर्ड चैंपियनशिप में जिले की चुनौती पेश करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद कौशिक ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाडिय़ों का हौसला बढ़ाते हुए कहा किहमें पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अपने विद्यालय, अपने माता-पिता और पूरे फतेहाबाद जिले का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर कैरम खेल में नई बुलंदियों को छुएंगे और जिले को गौरवान्वित करेंगे।

## फतेहाबाद, रतिया और टोहाना में साधकों ने योग शिविरों ने लिया हिस्सा

# योगाभ्यास स्वस्थ शरीर और जीवन का आधार योग दिवस पर दिया निरोगी जीवन का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयुष विभाग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग की योग प्रशिक्षक उषा व सुमन तथा पतंजलि योगपीठ से प्रशिक्षक रीतू वर्मा व दीपक वर्मा ने न्यायालय कर्मचारियों को योग एवं साधना का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग ने कहा कि योगाभ्यास स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ जीवन का आधार है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाना चाहिए तथा नशे एवं धूम्रपान जैसी बुरी आदतों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व योग दिवस भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और भारत योग गुरु के रूप में पूरे विश्व में योग का प्रचार-प्रसार कर रहा है।

फतेहाबाद। न्यायालय परिसर में योगाभ्यास करते हुए न्यायाधीश व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने बताया कि योग व्यक्ति के शरीर और मस्तिष्क दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है। नियमित योगाभ्यास से अनेक बीमारियों की रोकथाम संभव है तथा कई रोगों से मुक्ति भी मिल सकती है। बेहतर स्वास्थ्य, शांत मन, सकारात्मक सोच और एकाग्रता के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से स्वयं नियमित योग करने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं परिचितों को भी योग के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। इसके अलावा रतिया व टोहाना न्यायालय परिसरों में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। रतिया न्यायालय परिसर में जेएमआईसी कुमारी ज्योति तथा बार एसोसिएशन प्रधान वेद कंबोज तथा टोहाना न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन प्रधान सुरेश गिल की मौजूदगी में न्यायालय कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में जेएमआईसी विनती व जैस्मिन बावा, बार एसोसिएशन प्रधान दिनेश गैरा, अधिवक्ता सुमन लता सिवाच व अन्य मौजूद रहे।

## भूना में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बबली ने किया योगाभ्यास

भूना। भूना के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा योग आयोग, खंड स्तरीय प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए योगाभ्यास किया तथा क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद सीईओ सुरेश कुमार ने की। पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि भारत की पावन भूमि ने पूरे विश्व को योग जैसी अमूल्य जीवनशैली प्रदान की है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने का सशक्त माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, सकारात्मक और अनुशासित जीवन जी सकता है। उन्होंने सभी लोगों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने 'योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा' की शपथ लेकर स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया।

## नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

सिरसा। चोपटा में योगाभ्यास करते लोग। फोटो : हरिभूमि

चोपटा। 12वें अंतरराष्ट्री योग दिवस के अवसर पर ब्लॉक नाथूसरी चोपटा की अनाज मंडी में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. स्टालिन सिद्धार्थ सचदेवा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है तथा नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। योग का अर्थ है जोडना। योग हमें स्वयं से, समाज से और प्रकृति से जोड़ता है। प्राणायाम, ध्यान और विभिन्न योगासन हमारे जीवन को निरोग और खुशहाल बनाने में सहायक हैं।

## भट्टकलां में उत्साहपूर्वक मनाया योग दिवस

भट्टकलां। हरियाणा योग आयोग, खंड स्तरीय प्रशासन एवं आयुष विभाग, भट्ट कलां के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अनाज मंडी शेड, भट्ट कलां में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बढ़-चढकर भाग लिया और सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक दुड़ाराम रहे वहीं अध्यक्षता आरटीए सचिव संजय बिश्नोई ने की। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य विरासत है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। इस मौके पर सैकड़ों साधक मौजूद रहे।

## शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान

डबवाली। डबवाली की अनाजमंडी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का भव्य रूप से आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और स्थानीय लोगों ने भाग लेकर योग क्रियाएं की। चेयरमैन रोहताश जांगड़ा ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा को जोडने का विज्ञान है। उन्होंने सभी से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया ताकि एक स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण

## योग भारत की अमूल्य धरोहर : जोड़ा

फतेहाबाद। भाजपा नागपुर मंडल में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीन जोड़ा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनूप सिंह ने की। प्रवीण जोड़ा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ऋषि-मुनियों की अमूल्य देन है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योग करने से व्यक्ति तनावमुक्त रहता है तथा अनेक बीमारियों से बचाव संभव होता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

## योग दिवस पर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया

सिरसा। डेरा सच्चा सौदा में रविवार को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डेरा प्रमुख संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह ने स्वयं विभिन्न योग क्रियाएं कर लोगों को नियमित योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने योग को निरोग जीवन का आधार बताते हुए सभी को दैनिक दिनचर्या में योग शामिल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं एमएसजी भारतीय खेल गांव में हजारों योग साधकों, विद्यार्थियों और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर योगाभ्यास किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

## मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से बनाता है सशक्त : विधायक

रतिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते विधायक जरनैल सिंह व अन्य।

रतिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उपमंडल स्तर पर नई अनाज मंडी शैड, रतिया में योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग के प्रति अपनी आस्था और जागरूकता का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रतिया से कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने शिरकत कीञ विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा विकास एवं वितरण निगम के चेयरमैन बलदेव सिंह ग्रोहा शामिल हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने की। आयुष विभाग के प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान अभ्यास किए। योग प्रशिक्षकों ने योग के महत्व, उसके स्वास्थ्य लाभों तथा दैनिक जीवन में योग को अपनाने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन संतुलित रहता है। योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। चेयरमैन बलदेव ग्रोहा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अनमोल विरासत है, जो स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति एवं आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।

## डीएवी पुलिस स्कूल में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

फतेहाबाद। पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रातःकाल विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना एवं योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। इसके पश्चात प्रशिक्षकों के निर्देशन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास किया। ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रामरी जैसे योगाभ्यासों का प्रदर्शन किया गया। योग प्रशिक्षकों ने प्रत्येक आसन की सही विधि एवं उससे होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों की भी जानकारी दी। विद्यालय प्रधानाचार्या ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, मानसिक तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है तथा सकारात्मक सोच का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन कम से कम 20 से 30 मिनट योग करने तथा अपने परिवार के सदस्यों को प्रेरित करने का आह्वान किया।

## बीएड कॉलेज में एनएसएस यूनिट और योग क्लब ने चलाया जागरूकता अभियान

फतेहाबाद। बीएड कॉलेज में योगाभ्यास करते विद्यार्थी।

फतेहाबाद। मनोहर मैमोरियल शिक्षण महाविद्यालय में रविवार को एनएसएस, स्पोर्ट्स और योगा क्लब के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न प्रकार के योगासनों व प्राणायाम का अभ्यास किया। महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट और योग क्लब की ओर से पिछले एक सप्ताह से ग्रामीण क्षेत्रों में यह विशेष योग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों ने आसपास के गांव-गांव जाकर आम लोगों को योग के प्रति जागरूक और प्रेरित किया। स्वयंसेवकों ने न केवल खुद योग की विभिन्न क्रियाएं कीं, बल्कि ग्रामीणों को भी अपने साथ शामिल कर उनसे योग करवाया और उन्हें निरोग रहने का संदेश दिया। इस मौके पर एनएसएस यूनिट की ओर से सुमन बिश्नोई एवं स्पोर्ट्स व योगा इंचार्ज पुनीत सहारण ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को योग के वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से समझाया और कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का अनमोल उपहार है।

## टोहाना में नलवा विधायक ने योग साधकों के साथ किया योगाभ्यास

टोहाना। योगाभ्यास करते विधायक रणधीर पनिहार। फोटो : हरिभूमि

टोहाना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित उपमंडल स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने मुख्य अतिथि के रूप मंय शिरकत की तथा योग साधकों के साथ योगाभ्यास किया। रविवार को रेलवे रोड स्थित नई अनाज मंडी के शेड में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ रणधीर पनिहार ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश का उज्ज्वल भविष्य है और योग जैसी महान भारतीय परंपरा को अपनाकर वे न केवल स्वयं को स्वस्थ एवं सशक्त बना सकते हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक ज्ञान की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है। कार्यक्रम में विधायक रणधीर पनिहार ने उपस्थित प्रतिभागियों को योग एवं प्राणायाम को अपने दैनिक जीवन में अपनाने, शरीर और मन को स्वस्थ रखने की शपथ दिलाई। आयुष विभाग के योग सहायक देवेन्द्र कुमार ने प्रतिभागियों को अभ्यास करवाया।

## जाखल में पूर्व विधायक नापा ने साधकों के साथ किया योगाभ्यास

फतेहाबाद। योग दिवस कार्यक्रम में योगाभ्यास करते पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा।

फतेहाबाद। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जाखल में आयोजित योग कार्यक्रम में पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए संकल्प लेने की योग शपथ भी दिलाई। पूर्व विधायक ने योग साधकों के साथ योगाभ्यास किया तथा कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भी पूरे उत्साह के साथ योग कार्यक्रम में भाग लिया। पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने का एक प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को स्वस्थ, सकारात्मक और ऊर्जावान बनाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर डीएमसी प्रवीन कुमार व अन्य मौजूद रहे।

## न्यायालय परिसर में हुआ योग प्रोटोकॉल

सिरसा। जिला न्यायालय परिसर में योग करते हुए।

सिरसा। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जिला न्यायालय परिसर में योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अमित ने की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि आयुष विभाग के योग सहायक पवन कुमार तथा योग प्रशिक्षिका निशा ने न्यायालय कर्मचारियों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टाफ, अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वालंटियर्स को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस दौरान अनुलोम-विलोम, सर्वांगासन, हलासन, भुजंगासन, अर्धचक्रासन तथा अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया और इनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों की भी जानकारी दी गई। योग प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित रूप से योग करने से व्यक्ति अनेक बीमारियों से बच सकता है तथा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर नई ऊर्जा एवं स्फूर्ति के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

**स्वस्थ शरीर** | विश्वविद्यालय में नियमित योग कक्षाएं शुरू करने का लिया संकल्प

# योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा : कुलपति

- विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों ने शिविर में हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। सीडीएलयू में योग दिवस पर कुलपति योग करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, एनसीसी विंग ,राष्ट्रीय सेवा योजना तथा स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में योग अभ्यास कार्यक्रम हुआ जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास किया। मल्टीपर्पज हाल में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास तनाव को दूर करने, कार्यक्षमता बढ़ाने तथा जीवन में संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

### स्वस्थ जीवन की आवश्यकता

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में योग स्वस्थ जीवन की आवश्यकता बन चुका है और प्रत्येक व्यक्ति को इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षक अदिति ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास किया तथा योग के महत्व को समझा। इस अवसर पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय के खेल मैदान में सप्ताह में दो दिन प्रातःकाल नियमित योग कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी निरंतर योग का लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर डीन कॉलेजेज प्रो. रामेहर दीक्षित, डीन यूएसजीएस प्रो. काशिफ, प्रोफेसर रचना अहलावत, जनसंपर्क निदेशक डॉ. अमित सांगवान व अन्य मौजूद रहे।

## भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने उत्साह से मनाया योग दिवस

सिरसा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला सिरसा द्वारा रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला की अध्यक्षता में आयोजित किए गए। योग दिवस पर स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स, अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। प्रतिभागियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित विभिन्न योगासनों तथा प्राणायाम का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) डॉ. इंद्र सैन तथा जिला सचिव सुखदेव सिंह ढिल्लों सहित अन्य मौजूद रहे।